

पद ४४ (हिंदी)

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

देखो देखो री सखी छब बाला की ॥ध्रु.॥ शेषाचल पर आप
विराजे । चौकी हनुमत लाला की ॥१॥ मोर-मुकुट मस्तक पर
सोहे । बहुत लगी लड़ माला की ॥२॥ मानिक के मन सुमिरत
बाला । फांस कटे भवजाला की ॥३॥